बिखरते समाज को रोकने में सकारात्मक पहल करे मीडिया-दादी रतनमोहिनी

माउण्ट आबू, 25 मई। आज मानवीय संवेदनायें तेजी से बिखरती जा रही है। आपसी सामंजस्य और सौहार्द, वैर-विरोध में बदल गया है। भौतिकता के चकाचौंध में रिश्तों का खून हो रहा है। मीडिया को इस विखरते समाज को रोकने में सार्थक और सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता है। उक्त उद्दगार युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी ने व्यक्त की। वे 'मूल्य आधारित समाज निर्माण के लिए मीडिया की भूमिका को पुनर्परिभाषित करना' विषय पर आयोजित समापन सत्र को सम्बोधित कर रही थी।

आगे दादी रतनमोहिनी ने कहा कि अब लोगों की निगाहें मीडिया पर टिकी है। मीडिया को पुन: इस दायित्वों को अपने कन्धों पर उठाकर सामाजिक परिवर्तन की पहल करनी होगी। विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरे विश्व को एक गाँव के रूप में बदलकर नयी ऊंचाईयां दी परन्तु मूल्यों की कमी उसे विकृत समाज का रूप दे दिया है। जब तक मनुष्य अपने मन को शुद्ध और सात्विक नहीं बनायेगा तब तक विकृत समाज को रोकना मुश्किल होगा।

प्रसार भारती दिल्ली के सदस्य कार्मिक वी. शिवकुमार ने कहा कि बेशक मीडिया ने अपने पूरे विश्व में वर्चस्व स्थापित कर लिये है परन्तु समाज के ज्वलंत मुद्दों और समस्याओं के साथ-साथ लोगों के सामाजिक सरोकारों को भी प्रमुखता से स्थान दें। संस्था द्वारा आयोजित ये सेमिनार एक सार्थक और सकारात्मक पहल है। इसमें आये मीडियाकर्मियों के अन्दर अवश्य ही जागरूकता आयेगी जो आने वाले समय के लिए अच्छा संकेत है। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र. कु. ओम प्रकाश द्वारा प्रस्तावा पास की गयी जिसमें कहा गया कि बुनियादी मूल्य किसी बौद्धिक या तार्किक विश्लेषण के उपज नहीं है बल्कि ऐसे मूल्य आध्यात्मिक व्यवहार के परिणामस्वरूप प्रतिस्थापित होते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आध्यात्म की पृष्ठभूमि में समाज में बुनियादी मूल्य जैसे सत्य, पारदर्शिता, सहिष्णुता, शान्ति, धैर्य और सकारात्मकता को अपने व्यवसायिक और सार्वजनिक जीवन में अपनाया जाना चाहिए। भारत के प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान राजयोग ध्यान का प्रयोग और उसे लोकप्रिय बनाया जावे जिससे एक स्वस्थ जीवन शैली विकसित हो और व्यवसाय में कार्यशैली और समाज में सकारात्मक दूरगामी प्रभाव परिलक्षित हो सके।

इस प्रस्तावना का इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नालिस्ट एसोसियेशन के अध्यक्ष के. विक्रम राव, दैनिक ट्रिब्यून के पूर्व सम्पादक विजय सहगल, ह्यमून राईटस ऐसोसिएशन के अध्यक्ष एम. के. दुआ द्वारा समर्थन में कहा गया कि यदि मीडिया कर्मी इन मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें तो कोड आफ कण्डक्ट बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस पर सभी मीडियाकर्मियों ने हाथ हिलाकर उसे अपने कार्य स्थान पर लागू करने का प्रयास करेंगे।

मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र. कु. सुशान्त ने कहा कि आज मीडिया बाजारवाद और उपभोक्तावाद पर केन्द्रित हो गया है। इस प्रतिस्पर्धा से न केवल समाज प्रभावित हो रहा है बल्कि स्वयं मीडियाकर्मियों के अपने लोग भी प्रभावित हो रहे है। जो प्रत्येक मीडियकर्मी को इसके बारे में सोचने की आवश्यकता है। ज्ञान सरोवर की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र. कु. गीता बहन ने ईश्वरानुभूति करायी तथा मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. शान्तनु ने मीडिया डायलॉग की सफलता पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. ब्र. कु. सविता ने किया। चार दिवसीय मीडिया डायलॉग एवं रीट्रिट का आज समापन हो गया।